महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम (80 credit)

चतुर्थ सत्र

MSWP01

परियोजना कार्य मार्गनिर्देशिका (Project Handbook)

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
पोस्ट – हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा – 442001 (महाराष्ट्र)

मार्ग निर्देशन समिति

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

प्रो. आनंद वर्धन शर्मा
प्रतिकुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

प्रो. अरबिंद कुमार झा
निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

पाठ्यचर्या निर्माण समिति

प्रो. मनोज कुमार
निदेशक – म.गां.फ्यू. गु. समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

डॉ. मिथिलेश कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर , म.गां.फ्यू. गु. समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

डॉ. शिवसिंह बघेल
असिस्टेंट प्रोफेसर , म.गां.फ्यू. गु. समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

श्री अमोद गुर्जर
असिस्टेंट प्रोफेसर , म.गां.फ्यू. गु. समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

डॉ. शंभू जोशी
असिस्टेंट प्रोफेसर एवं पाठ्यक्रम संयोजक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

संपादन मंडल

प्रो. मनोज कुमार
निदेशक – म.गां.फ्यू. गु. समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

डॉ. मिथिलेश कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर , म.गां.फ्यू. गु. समाज कार्य अध्ययन केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

डॉ. शंभू जोशी
असिस्टेंट प्रोफेसर एवं पाठ्यक्रम संयोजक, दूर शिक्षा निदेशालय, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

परियोजना कार्य मार्गनिर्देशका लेखन

डॉ. शंभू जोशी

कार्यालयीन एवं मुद्रण सहयोग

श्री विनोद वैद्य
अनुभाग अधिकारी, दू.शि. निदेशालय

सुश्री शिल्पा एवं श्री प्रवेश कुमार
सहायक, दू.शि. निदेशालय

श्री महेन्द्र प्रसाद
सहायक संपादक , दू.शि. निदेशालय

डॉ. मेघा आचार्य
प्रूफ रीडर, दू.शि. निदेशालय

सुश्री राधा
टंकक, दू.शि. निदेशालय

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एमएसडब्ल्यू (80 क्रेडिट) चतुर्थ सत्र

विषय : एमएसडब्ल्यू	
Subject : MSW	
कोर्स शीर्षक : परियोजना कार्य	कोर्स कोड : एमएसडब्ल्यूपी01
Course Title : Project Work	**Course Code :** MSWP01
	अधिकतम अंक : 200 Maximum Marks : 200

परियोजना कार्य

एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम के चतुर्थ सत्र में **एमएसडब्ल्यू पी01 प्रश्नपत्र** एक परियोजना कार्य है। आप अपनी पसंद के एक विषय पर परियोजना कार्य कर सकते है। परियोजना कार्य एमएसडब्ल्यू कार्यक्रम में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह एक ऐसा अप्रत्यक्ष तरीका है जिसके माध्यम से आपको सामाजिक जीवन और समस्याओं के संबंध में व्यवस्थित रूप से नई जानकारी मिलने में मदद मिलेगी। यह नए तथ्य एकत्र करने, उनकी तालिका बनाने, विश्लेषण करने और उपलब्धियों पर विचार-विमर्श करने की व्यवस्थित पद्धति है। परियोजना कार्य द्वारा आप सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों की समस्याओं को अच्छी तरह से जान सकेंगे। परियोजना कार्य के अन्त में आपको परियोजना रिपोर्ट लिखनी होती है।

परियोजना कार्य के विभिन्न चरण

परियोजना कार्य को पूरा करने में कुछ चरण शामिल हैं-

1) विषय चयन -

किसी भी शोध कार्य के लिए पहला चरण, विषय का चयन होता है। हमारी सलाह है कि आप ऐसा विषय चुनिए जिसके अपेक्षित संसाधन आपको उपलब्ध हों। शीर्षक चुनने का एक तरीका यह होगा कि आप एमएसडब्ल्यू कार्यक्रम की पाठ्यक्रम सामग्री में दी हुई विभिन्न इकाइयों का अध्ययन करें (विशेष रूप से **MSW -12** की समस्त इकाईयां)। ये इकाईयां आपको विस्तृत विकल्प प्रदान करेंगी, जिसके आधार पर आप सामाजिक क्षेत्र से संबंधित किसी भी पहलू का अध्ययन कर सकते हैं। ऐसा विषय चुनिए जो आपकी रूचि का हो, अति महत्वकांक्षी नहीं हों।

2) आंकड़ा संग्रहण के साधन तैयार करना-

एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थी अनुभवजन्य (आनुभाविक) अध्ययन कर सकते हैं। अनुभवजन्य अध्ययनों में आप साक्षात्कार अनुसूची, साक्षात्कार गाइड और प्रेक्षण जैसे साधनों का प्रयोग कर सकते हैं। ये सभी प्रविधियां क्या हैं ? इनका प्रयोग कैसे किया जाता है ? इनके प्रयोग में किन-किन बातों का ध्यान रखा जाता है? इन बातों का उल्लेख **MSW 12** की पाठ्यसामग्री में विस्तार से किया गया है।

3) आंकड़ा संग्रहण-

एमएसडब्ल्यू कार्यक्रम का एक उद्देश्य यह है कि आप कुछ अपने आसपास के परिवेश/समाज में जाएं, लोगों के जीवन को देखें,अनुभव करें,उनसे बातचीत करें और परस्पर संपर्क बनाएं। जब आपके पास आंकड़ा संग्रहण के साधन हो जाएं तो आप आंकड़ा संग्रहण का वास्तविक कार्य आरंभ कर सकते हैं। आपको अपने उत्तरदाताओं के साथ तालमेल स्थापित करना होगा और विस्तृत नोट्स (Extensive Notes) तैयार करने होंगे। वांछित आंकड़ों को एकत्र करने के लिए आपको कई बार अपने अध्ययन क्षेत्र में जाना होगा। इससे आपको हतोत्साहित नहीं होना है। जितना अधिक परस्पर संपर्क होगा उतने अधिक अच्छे परिणाम होंगे।

4) आंकडा विश्लेषण -

परियोजना कार्य में आंकड़ा विश्लेषण बहुत ही महत्वपूर्ण चरण है। आपको अपनी अनुसूचियों और फील्ड नोट की संवीक्षा करनी चाहिए, उन्हें ठीक करना चाहिए तथा संगणना एवं तालिका के लिए मुख्य चार्ट में इन्हें सावधानीपूर्वक अंकित करना चाहिए। तब तालिका कार्य पूरा हो जाए तो तालिकाबद्ध आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग करना चाहिए। प्रेक्षण, साक्षात्कार गाइड और केस अध्ययनों के माध्यम से एकत्र की गई सूचना को सहायक साक्ष्य के रूप में प्रयोग करें। इन बातों का उल्लेख **MSW12** की पाठ्यसामग्री में विस्तार से किया गया है।

5) परियोजना रिपोर्ट लेखन -

फील्ड वर्क एवं आंकड़ा संग्रहण और तालिका पूरी करने के बाद आप परियोजना रिपोर्ट लिखें। किसी भी परियोजना कार्य का परिणाम एक रिपोर्ट के रूप में सामने आता है।

विश्वविद्यालय को भेजी जाने वाली परियोजना रिपोर्ट लेखन में निम्नलिखित बातें सम्मिलित होनी चाहिए -

1. **मुख्यपृष्ठः** इसमें परियोजना शीर्षक, पाठ्यक्रम का नाम, शोधार्थी, निर्देशक का नाम, सत्र, विश्वविद्यालय का नाम एवं पता होना चाहिए।

2. **घोषणा पत्र:** इसमें शोधार्थी/निर्देशक द्वारा कार्य की मौलिकता के संदर्भ में स्वहस्ताक्षरित घोषणा पत्र संलग्न करना चाहिए (परिशिष्ट-1 देखें)।

3. **आभार:** परियोजना कार्य में सहयोग प्रदान करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को आभार प्रदान किया जाना चाहिए।

4. **अनुक्रम:** इसके अंतर्गत रिपोर्ट की पृष्ठवार जानकारी प्रदान की जाती है।

5. **रिपोर्ट का मुख्य भाग:** इसमें मुख्यतः 4-5 अध्याय होते हैं:

- **पहला अध्याय:** इसमें परियोजना कार्य की भूमिका होती है जिसमें निम्नलिखित बातों का समावेश होता हैः
  - परियोजना कार्य का परिचय
  - परियोजना कार्य का तर्क
  - परियोजना कार्य का उद्देश्य
  - परियोजना कार्य की परिकल्पना
  - परियोजना कार्य की शोध प्रविधि (इसमें नमूने का आकार (size of sample), ऑंकड़ा संकलन एवं विश्लेषण की विधियों का उल्लेख रहता है)

- **दूसरा अध्याय:** परियोजना कार्य के अंतर्गत जिस विषय का अध्ययन किया जा रहा है, उसकी जानकारी प्रदान की जाती है।

- **तीसरा अध्याय:** परियोजना कार्य के अंतर्गत जिस क्षेत्र / गतियविधि / संस्था का अध्ययन किया जाना है, उसकी जानकारी प्रदान की जाती है ।

- **चौथा अध्याय:** परियोजना कार्य के लिए चुने गए क्षेत्र/ गतिविधि/संस्था से संबंधित प्राप्तनिदर्शन/ अन्य, किसी विधि से प्राप्त ऑंकड़ों को तालिकाओं/ग्राफ इत्यादि के जरिए प्रदर्शित किया जाता है और उनकी जानकारी प्रदान की जाती है ।

- **पांचवा अध्याय:** प्राप्त ऑंकड़ों का विश्लेषण किया जाता है और अपने निष्कर्ष बताए जाते हैं। एक अच्छे शोध का महत्व इस बात में भी है कि वह परियोजना कार्य को बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव भी प्रस्तुत करे।

6. **संदर्भ ग्रंथ:** इसमें परियोजना कार्य में सहयोगी ग्रंथों, बेवसाइट्स इत्यादि की सूची प्रदान की जाती है। इसे प्रदर्शित करते समय एपीए शैली का प्रयोग करें जिसकी जानकारी **MSW12** प्रश्नपत्र की पाठ्यसामग्री के चौथे खंड की अंतिम इकाई में दी गई है।

7. **परिशिष्ट:** शोधार्थी इसके अंतर्गत अपने परियोजना कार्य के लिए व्यक्तियों से जिन विभिन्न शोध प्रविधियों की सहायता से ऑकड़े एकत्रित करता है, उन्हें दर्शाया जाता है। प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार की सूची इत्यादि इसमें शामिल की जाती है।

परियोजना रिपोर्ट संबंधी निम्नलिखित बातों का ध्यान अवश्य रखें -

- न्यूनतम पृष्ठों 70-60(A4 size) में डबल स्पेस में टाइप हुई रिपोर्ट अच्छी प्रकार जिल्द में बांधकर भेजनी होगी। पृष्ठ के दोनों ओर (आगे-पीछे) प्रिंट करें।
- आप रिपोर्ट के एक भाग के रूप में इस आशय का एक घोषणा-पत्र (संलग्न परिशिष्ट-1)प्रस्तुत करें कि किया गया कार्य, मूल कार्य है और किसी भी अध्ययन पाठ्यक्रम की शर्त को पूरा करने के लिए किसी भी विश्वविद्यालय या अन्य संस्था को पहले प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- परियोजना कार्य में विद्यार्थी की **नामांकन संख्या, कार्यक्रम, नाम और पता** अवश्य होना चाहिए। आपको परियोजना रिपोर्ट की एक प्रति रखनी चाहिए। विश्वविद्यालय को भेजी गई रिपोर्ट विद्यार्थी को लौटाई नहीं जाएगी।
- **MSWP01** एक फील्ड वर्क है। इसमें आपको फील्ड में जाकर परियोजना कार्य सम्पन्न करना है। अतः इसे आलेख की तरह नहीं लिखे और न ही व्यक्तिगत प्रपत्र की तरह। परियोजना कार्य का प्रारूप ऊपर दिया गया है। उसका पालन करें।
- परियोजना कार्य का उद्देश्य किसी परियोजना की जानकारी मात्र देना नहीं है बल्कि उसके लागू होने से कितने व्यक्तियों का लाभ हुआ है , किस तरह से लाभ हुआ है, किसी क्षेत्र विशेष में उसके लागू होने में क्या दिक्कतें हैं, उन्हें कैसे दूर किया जा सकता है, कठिनाईयों के कारण क्या है? इन सब बातों का उल्लेख अवश्य किया जाना चाहिए।
- विद्यार्थी यह स्पष्ट ध्यान रखे कि चुनी गयी परियोजना की जानकारी आवश्यकतानुसार ही दें, ऐसा न हो कि परियोजना की जानकारी तो बहुत लंबी हो और फील्ड वर्क बहुत कम। यह आपके परियोजना कार्य के प्रभाव को कम करता है। एक आदर्श परियोजना कार्य में परियोजना कार्य एवं फील्ड वर्क दोनों का उचित संयोजन होना चाहिए।
- विद्यार्थी परियोजना कार्य के लिए किसी क्षेत्र /संस्था/ परियोजना/समस्या विशेष का चयन अनिवार्य रूप से करें। उस चुने गए क्षेत्र /संस्था/ परियोजना/समस्या (जो शोधार्थी या उसके आसपास का कोई गांव/ब्लॉक/पंचायत/जिला) में किसी एक के विभिन्न पहलुओं को सम्मिलित करें।
- हर विद्यार्थी से यह आशा की जाती है कि वह अलग-अलग विषयों पर अपना परियोजना कार्य सम्पन्न करेगा। किसी अन्य की फोटोकॉपी करना और उसे अपने नाम से जमा कराना अस्वीकार्य है।
- विभिन्न प्रविधियों द्वारा प्राप्त ऑकड़ों एवं तालिका/ग्राफ द्वारा उनकी प्रस्तुति, विश्लेषण को पर्याप्त विस्तार के साथ प्रदर्शित करें।
- अध्ययन केंद्रों द्वारा पंजीकृत विद्यार्थी परियोजना कार्य हेतु अध्ययन केंद्र से संपर्क करें।

कवर पेज

परियोजना शीर्षक

(मंगल, इटालिक, 16 फॉण्ट साइज, सेंटरअलाइन)
MSW P01 हेतु
प्रस्तुत परियोजना रिपोर्ट
(मंगल, 12, सेंटर अलाइन)

प्रस्तुतकर्ता

विद्यार्थी का नाम :

पंजीयन संख्या:

अध्ययन केंद्र का नाम :

शहर :

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
पोस्ट – हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स,
वर्धा – 442001 (महाराष्ट्र)

परिशिष्ट -1

घोषणा

मैं एतद् द्वारा यह घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा दूर शिक्षा निदेशालय को भेजा गया..

....

.... (शीर्षक लिखें) परियोजना कार्य मेरा मौलिक कार्य है।

हस्ताक्षर

विद्यार्थी की नामाकंन संख्या

नाम और पता

स्थान

तारीख

मार्गनिर्देशक का प्रमाण-पत्र

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/कुमारी/श्रीमती/डॉ .... ने मेरे पर्यवेक्षण एवं मार्गदर्शन में .... (परियोजना शीर्षक) नामक यह परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की है जो दूर शिक्षा निदेशालय,महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम का अंश है।

स्थान :

तारीख:

हस्ताक्षर

नाम

पता एवं संपर्क नंबर